संगम काल

1. 'लाल चेर' के नाम से प्रसिद्ध वह चेर शासक कौन था, जिसने कणगी (पत्तिनी) के मंदिर का निर्माण कराया था ?
(अ) एलारा (ब) कारिकाले
(स) शेनगुट्टवन (द) नेदुन जेरल आदन
उत्तर : (स) SSC 2002
याख्या– शेनगुट्टवन, चेर राजवंश का सबसे प्रतापी शासक था। इसे लाल चेर के नाम से भी जाना जाता था। वह प्रसिद्ध तमिल महाकाव्य शिल्पादिकारम् का नायक था। दक्षिण भारत में चीन के लिए दूतावास भेजने वाला वह पहला चेर शासक था
2. तमिल भाषा का गौरव ग्रंथ 'जीवक चिन्तामणि' किससे संबंधित है ? ?
(अ) जैन (ब) बौद्ध
(स) हिन्दू (द) ईसाई
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– जीवक चिन्तामणि एक तमिल महाकाव्य है। जीवक चिन्तामणि संगमकाल के बहुत बाद की रचना है। यह जैन मुनि तिरूतक्कदेवर द्वारा रचित जैन धर्म ग्रंथ है जिसे तमिल साहित्य के पांच प्रसिद्ध ग्रंथों में गिना जाता है। इसमें कवि ने 'जीवक' नामक राजकुमार का जीवनवृत्त प्रस्तुत किया है। कहा जाता है कि तिरुत्तक्कदेवर पहले चोल राजकुमार थे जो बाद में जैन भिक्षु बन गये।
3. तमिल भाषा के 'शिल्पादिकारम्' और 'मणिमेखलई' नामक गौरवग्रंथ किससे सम्बन्धित है ?
(अ) जैन धर्म (ब) बौद्ध धर्म
(स) हिन्दू धर्म (द) ईसाई धर्म
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्याः– तमिल भाषा के ग्रंथ 'शिल्पादिकारम्' और 'मेणिमेखलई' बौद्ध धर्म से संबंधित है। शिल्पादिकारम् को तमिल साहित्य के प्रथम महाकाव्य के रूप में जाना जाता है। इस महाकाव्य की रचना चेर वंश के शासक शेनगुट्टवन के भाई इलांगो आदिगल ने की थी। मणिमेखई की रचना बौद्ध धर्म के अनुयायी व्यापारी सीतलै सत्तनार ने की थी। ऐसा माना जाता है कि जहाँ पर शिल्पादिकारम् की कहानी खत्म होती है, वहीं से मणिमेखलई की कहानी शुरू होती है।
4. निम्न में कौन संगमयुगीन व्याकरण रचना सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रचना मानी गयी है ?
(अ) हतुतगोई (ब) पादकिल्कणेक्कू
(स) तोलकाप्पियम् (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्याः– तोलकाप्पियम द्वितीय संगम का एक मात्र शेष ग्रंथ है। अगस्त्य ऋषि के 12 योग्य शिष्यों में से एक तोल्काप्पियर द्वारा यह ग्रंथ लिखा गया था। सूत्र शैली में लिखा गया यह ग्रंथ तमिल भाषा का प्राचीनतम व्याकरण ग्रंथ है। इस ग्रंथ में प्रेम विवाह को 'पंचतिणै' एक पक्षीय प्रेम को 'कैक्किणै' एवं अनुचित प्रेम को 'पेरुन्दिणै' कहा गया है।
5. निम्नलिखित राजवंशों में किसका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ ?
(अ) कदम्ब (ब) चेर
(स) चोल (द) पाण्ड्य
उत्तर : (अ) BPSC 1996
व्याख्याः– संगम साहित्य में हमें तमिल प्रदेश के तीन राज्यों चोल, चेर तथा पाण्ड्य का विवरण प्राप्त होता है। उत्तर–पूर्व में चोल, दक्षिण–पश्चिम में चेर तथा दक्षिण–पूर्व में पाण्ड्य राज्य स्थित था। चोल राजवंश–चालों के विषय में प्रथम जानकारी पाणिनी कृत अष्टाध्यायी से मिलती है। इसके अलावा कात्यायन कृत वार्तिक तथा महाभारत एवं संगम साहित्य से जानकारी प्राप्त होती है। संगम युगीन राज्यों में सर्वाधिक शक्तिशाली चोलों का राज्य था। यह पेन्नार तथा दक्षिणी वेल्लारू नदियों के बीच स्थित था। कालान्तर में उरैपुर तथा तंजावुर चोलों की राजधानी बनी। चोलों का शासकीय चिन्ह बाघ था।
चेर राजवंश– संगम युग का दूसरा राज्य चेरों का था जो आधुनिक केरल प्रानत में स्थित था। ऐतरेय ब्राह्मण में प्राप्त होने वाला उल्लेख 'चेरपाद' सम्भवतः चेरों के विषय में प्रथम जानकारी देता है। इसके अतिरिक्त रामायण, महाभारत, अशोके के शिलालेख, कालिदास के 'रघुवंश' महाकाव्य एवं संगम साहित्य से चेर के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। चेरों का राजकीय चिन्ह धनुष था।
पाण्ड्य राजवंश– संगम युग का तीसरा राज्य पाण्ड्यों का था जो कावेरी के दक्षिण में स्थित था। इस राज्य का प्रारंभिक उल्लेख पाणिनी कृत अष्टाध्यायी में मिलता है। इसके अतिरिक्त अशोक के अभिलेख, महाभारत तथा रामाण में भी पाण्ड्य राज्य के विषय में जानकारी मिलती है। पाण्ड्य राज्य की राजधानी मदुरा थी। पाण्ड्य राज्य का शासकीय चिन्ह मछली था।
6. संगम युग में उरैयूर किसलिए विख्यात था ?
(अ) मसालों के व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र
(ब) कपास के व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र
(स) विदेशी व्यापार का महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र
(द) आंतरिक व्यापार का महत्त्वपूर्ण व्यापरिक केन्द्र
उत्तर : (ब) BPSC 1994

www.rajstudents.com

व्याख्याः– संगम काल में उरैयूर सूती वस्त्र एवं कपास के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था। उरैयूर नामक स्थान की चर्चा प्राचीन ग्रंथ 'पेरिप्लस ऑफ द इरीथ्रियन सी' में भी की गई है।

7. 'तोलकाप्पियम' ग्रंथ सम्बन्धित है–
(अ) प्रशासन से
(ब) विधि से
(स) व्याकरण और काव्य से
(द) उपर्युक्त सभी से
उत्तर : (स) UPPCS 1997
व्याख्याः– तोलकाप्पियम द्वितीय संगम का एक मात्र शेष ग्रंथ है। अगस्त्य ऋषि के 12 योग्य शिष्यों में से एक तोल्काप्पियर द्वारा यह ग्रंथ लिखा गया था। सूत्र शैली में लिखा गया यह ग्रंथ तमिल भाषा का प्राचीनतम व्याकरण ग्रंथ है। इस ग्रंथ में प्रेम विवाह को 'पंचतिणै' एक पक्षीय प्रेम को 'कैक्किणै' एवं अनुचित प्रेम को 'पेरुन्दिणै' कहा गया है। तोल्काप्पियम नामक तमिल रचना से ज्ञात होता है कि संगम काल में विवाह को संस्कार के रूप में मान्यता प्रदान की गयी थी। इसमें हिन्दू धर्मशास्त्रों में वर्णित विवाह के आठ प्रकारों (ब्रह्म, दैव आर्ष, प्रजापत्य, असुर, गान्धर्व, राक्षस तथा पैशाच) का उल्लेख मिलता है।

8. धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' किस भाषा में है ?
(अ) ग्रीक (ब) तमिल
(स) तेलुगू (द) पालि
उत्तर : (ब) MPPSC 1997
व्याख्याः– धार्मिक कविताओं का संकलन 'कुरल' तमिल भाषा में है। प्रसिद्ध महाकाव्य 'कुरल' के लेखक तिरुवल्लूवर है। तिरूवल्लूवर कृत कुरल तमिल साहित्य का एक आधारभूत ग्रंथ बताया जाता है। इसके विषय त्रिवर्ग आचारशास्त्र, राजनीति, आर्थिक जीवन एवं प्रणय से संबंधित है।

9. किस संगमयुगीन राज्य के संरक्षण में तीनों संगमों का आयोजन किया गया ?
(अ) चेर (ब) चोल
(स) पांड्य (द) पल्लव
उत्तर : (स)
व्याख्याः– ऐतिहासिक युग के प्रारंभ में दक्षिण भारत का क्रमबद्ध इतिहास हमें जिस साहित्य से ज्ञात होता है उसे संगम साहित्य कहा जाता है। संगम शब्द का अर्थ परिषद् अथवा गोष्ठी होता है जिनमें तमिल कवि एवं विद्धान एकत्र होते थे। प्रत्येक कवि अथवा लेखक अपनी रचनाओं को संगम के समक्ष प्रस्तुत करता था तथा इसकी स्वीकृति प्राप्त हो जाने बाद ही किसी भी रचना का प्रकाशन संभव था। पाण्ड्य राजाओं के संरक्षण में कुल तीन संगम आयोजित किए गए। इनमें सकलित साहित्य को ही संगम साहित्य की संज्ञा प्रदान की गयी। पाण्ड्य शासकों की राजधानी मदुरा थी। प्रथम संगम मदुरा में हुआ जिसकी अध्यक्षता अगत्स्य ऋषि ने की। द्वितीय संगम कपाटपुरम में हुआ जिसकी अध्यक्षता भी अगस्त्य ऋषि ने की तथा तृतीय संगम मदुरा में हुआ जिसकी अध्यक्षता नक्कीरर ने की।

10. किसने उल्लेख किया है कि 'नंदों ने अपना कोष गंगा की धारा में छिपा रखा था' ?
(अ) मामूलनार (ब) तोल्लकप्पियर
(स) तिरुवल्लुवर (द) नक्कीरर
उत्तर : (अ)
व्याख्याः– मामूलनार ने उल्लेख किया है कि नंदों ने अपना कोष गंगा की धारा में छिपा रखा था।

11. निम्नलिखित युग्मों (राज्य–राजकीय चिन्ह) में से कौन–सा सही है ?
(अ) चेर – धनुष (ब) चोल – बाघ
(स) पांड्य – मछली (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

12. निम्नलिखित युग्मों (संगम–अध्यक्ष) में से कौन–सा सही है ?
(अ) प्रथम संगम – अगस्त्य
(ब) द्वितीय संगम – अगस्त्य एवं तोल्लकाप्पियर
(स) तृतीय संग – नक्कीरर
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

13. कपाटपुरम में सम्पन्न द्वितीय संगम का एकमात्र शेष ग्रंथ कौन–सा है ?
(अ) तोलकाप्पियम (ब) इतुतगोई
(स) पतुपाटु (द) पदिनेकिल्कणक्कू
उत्तर : (अ)

14. किस ऋषि के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने दक्षिण भारत का आर्यकरण किया, उन्हें आर्य बनाया ?
(अ) विश्वामित्र (ब) अगस्त्य
(स) वशिष्ठ (द) सांभर
उत्तर : (ब) JPSC 2013

15. स्ट्रेबो के अनुसार संगम युग के किस वंश के शासक ने रोमन सम्राट के दरबार में 20 ई.पू. के लगभग अपना दक दूत भेजा ?
(अ) पांड्य नरेश ने (ब) चोल नरेश ने
(स) चेर नरेश ने (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

16. तिरुवल्लुवर की रचना 'कुर' या 'मुप्पाल' को कहा जाता है–
(अ) तमिल भूमि का बाइबिल
(ब) तमिल भूमि का महान व्याकरण ग्रंथ
(स) तमिल भूमि का महान नाट्य ग्रंथ
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

17. 'तमिल काव्य का इलियड' कहा जाता है–
(अ) तोलकाप्पियम (ब) कुरल
(स) शिलप्पादिकारम् (द) मणिमेखलई
उत्तर : (स)

18. 'तमिल काव्य का ओडिसी' कहा जाता है–
(अ) तोलकाप्पियम (ब) कुरल
(स) शिलप्पादिकारम् (द) मणिमेखलई
उत्तर : (द)

19. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (पुस्तक)
A. तोलकप्पियम
B. शिल्पादिकारम्
C. मणिमेखलई
D. जीवक चिन्तामणि
सूची–II (लेखक)
1. तोलकप्पियर
2. इलांगो आडीगल
3. सितलै सतनार
4. तिरुत्तदेवर
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 1, C – 3, D - 4
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
उत्तर : (अ)

20. पुहर कोवरीपट्टनम की स्थापना किसने की ?
(अ) कारिकाल (ब) शेनगुट्टवन
(स) नेंडुजेलियन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

21. निम्नलिखित युग्मों (राज्य–प्रख्यात शासक) में से कौन–सा सही है ?
(अ) चेर – शेनगुट्टवन
(ब) चोल – कारिकाल
(स) पाण्ड्य – नेंडूजेलियन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

22. मुजरिस किस राज्य का प्रमुख बंदरगाह था ?
(अ) चेर (ब) चोल
(स) पांड्य (द) कदम्ब
उत्तर : (अ)

23. किसके संबंध में यह कहावत है कि जितनी जमीन में एक हाथी लेट सकता है उतनी जमीन में सात आदमियों का पेट भर सकता है ?
(अ) कावेरी डेल्टा
(ब) तुंगभद्रा के तटवर्ती क्षेत्र
(स) रायचूर दोआब
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

24. गाय या अन्य वस्तुओं के लिए लड़ते–लड़ते मरने वाले वीरों के सम्मान में खड़े किये जाने वाले वीर–प्रस्तर को कहा जाता था ?
(अ) वीरकल/नाडुकुल (ब) को
(स) उलगु (द) कडमई
उत्तर : (अ)

25. प्राचीनतम तमिल देवता मुरुगन किस वैदिक देवता के सदृश्य है ?
(अ) ब्रह्मा (ब) विष्णु
(स) महेश (द) स्कंद/कार्तिकेय
उत्तर : (द)

26. महाकाव्य 'शिलप्पादिकारम्' किससे संबंधित है ?
(अ) राम की कहानी
(ब) कथानक में जैन तत्व
(स) श्रीलंका के बौद्धों की संस्कृति
(द) शांति उपासना की पूजा पद्धति
उत्तर : (ब) CDS 2016

27. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (क्षेत्र)
A. कुरिंजी
B. पालई
C. मुल्लाई
D. मरूदम
E. नेउल
सूची–II (अर्थ)
1. पहाड़ी
2. मरुभूमि/निर्जन स्थल
3. जंगल
4. कृषि भूमि
5. तटीय प्रदेष
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D – 4, E - 5
(ब) A – 5, B – 4, C – 3, D – 2, E - 1
(स) A – 2, B – 1, C – 3, D – 4, E - 5
(द) A – 1, B – 2, C – 5, D – 4, E - 3
उत्तर : (अ)

www.rajstudents.com

28. संगमकालीन साहित्य में 'कोन', 'को' एवं 'मन्नन' किसके लिए प्रयुक्त होते थे ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राजस्व मंत्री
(स) सेनाधिकारी (द) राजा
उत्तर : (द) RAS/RTS 2010

29. निम्नलिखित में से कौन से संगमकालीन पत्तन पश्चिमी तट पर स्थित थे ? नीचे दिये कूट से सही उत्तर चुनिए–
1. कोरकै
2. पुहर
3. तोपड़ी
4. मुषिरि
कूट :
(अ) 1 और 2 (ब) 2 और 3
(स) 3 और 4 (द) 1 और 4
उत्तर : (स) UPPCS 2012

www.rajstudents.com